भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ
Bharatiya Pratiraksha Mazdoor Sangh
(AN ALL INDIA FEDERATION OF DEFENCE WORKERS)
(AN INDUSTRIAL UNIT OF B.M.S.)
(RECOGNISED BY MINISTRY OF DEFENCE, GOVT. OF INDIA)

CENTRAL OFFICE : 2-A, NAVIN MARKET, KANPUR-1 • PH.: (0512) 2332222 • FAX : (0512) 2296229
Mob. : 09335621629, 09415726924, 09415733686 • E-mail : gensecbpms@yahoo.co.in, cecbpms@yahoo.in

दि० 19.07.2019

सम्मानित भाइयों / बहनों,

नमस्कार,

वर्तमान में आयुध निर्माणियों के निगमीकरण की चर्चा जोरों पर है। आपको याद होगा कि OFB की Apex Productivity Council की बैठक (दि० 04-07-2019) में DGOF और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोवाल जी की वार्ता के पश्चात हम तीनों महासंघों ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया कि दि० 20-08-2019 को सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, जे.सी एम - II एवं III सदस्य संसद भवन, नयी दिल्ली के पास एक दिवसीय भूख हड़ताल का आयोजन कर OFB के निगमीकरण के विचारों / प्रयासों का विरोध करेंगे।

आपको यह भी याद होगा कि दि० 11-07-2019 को Joint Secretary (LS), DDP/MoD के साथ BPMS की मीटिंग हुई थी जिसमें चर्चा के दौरान हमने स्पष्ट किया था कि सरकार द्वारा OFB के निगमीकरण के किसी विचार / प्रयास को BPMS कभी भी स्वीकार नहीं करेगा और उसका पूरी ताकत से विरोध करेगा।

इस बीच OFB के निगमीकरण की चर्चा जोर पकड़ने लगी, परन्तु उसकी पुष्टि विश्वसनीय स्रोतों से नहीं की जा सकी थी। आशंकाओं के आधार पर तथा मनमाने ढंग से रक्षा उत्पादन नीति-2018 में OFB के Professionalization के स्थान पर Corporatization

क्रमशः . . .

Scanned by CamScanner

करने की नीति का विरोध करने के लिए माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी को दि॰ 12.07.2019 को पत्र लिखा गया तथा दि॰ 15.07.2019 को उक्त पत्र व्यक्तिगत रूप से उन्हें उपलब्ध कराया गया जिस पर हमें सूचित किया गया कि मा॰ मंत्री जी BPMS के साथ विस्तृत चर्चा करेंगे।

इसी मामले में अपने महासंघ के विभिन्न पदाधिकारियों ने रक्षा मंत्री जी को अपनी चिन्ताओं से अवगत कराने के लिए तथा OFB के निगमीकरण न करने के लिए सहमत कराने हेतु अन्य केन्द्रीय मंत्रियों / सांसदों का भी सहयोग लिया है।

अपने ध्येय वाक्य में 'राष्ट्र हित' सर्वोपरि है और BPMS का ~~मान~~ मानना है कि OFB का निगमीकरण 'राष्ट्र हित' नहीं है, इसलिए निगमीकरण का पुरजोर विरोध किया जायेगा। जरूरत पड़ी तो Strike Ballot लिये बिना ही हम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा सकते हैं, इससे भले ही सरकार से प्राप्त हमारी मान्यता चली जाये अथवा हमें जे॰ सी॰ एम॰ में भाग लेने से वंचित कर दिया जाये।

पहले भी हम तत्कालीन रक्षा मंत्री स्व॰ मनोहर पारिकर जी एवं श्री अरुण जेटली जी के कार्यकाल में OFB के निगमीकरण के प्रयासों को रोकने में सफल रहे हैं।

कल दि॰ 20.07.2019 को अपने उद्देश्य को हासिल करने के लिए भारतीय मजदूर संघ एवं आर॰एस॰एस॰ के विचारकों से दिल्ली में वार्ता प्रस्तावित है, आशा करता हूँ कि वार्ता सफल होगी एवं हमारा मार्ग प्रशस्त होगा, भविष्य उज्जवल होगा।

इस मामले में वर्तमान परिस्थितियों में अन्य महासंघों की तुलना में अपने महासंघ BPMS की जिम्मेदारी ज्यादा है, हमसे

Scanned by CamScanner

अपेक्षा भी ज्यादा है। समस्याओं पर सिर्फ चर्चा करना, कार्यकारिणी में आक्रोश/भय पैदा करना हमारा उद्देश्य नहीं है बल्कि समस्याओं का समाधान कराना हमारा उद्देश्य है और उस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु हमें अपने सभी वैधानिक हथियारों का उपयोग भी करना है।

इस मामले में अन्य महासंघों/यूनियनों का अपना प्रतिद्वंदी नहीं बल्कि अपना सहयोगी मानकर व्यवहार करना है तथा स्थानीय स्तर पर उनके पदाधिकारियों/सदस्यों के किसी कटाक्ष/व्यंग से विचलित हुए बिना अपने उद्देश्य की प्राप्ति तक संघर्ष करना है और सफल होना है।

पूर्ण सहयोग की कामनाओं के साथ,

आपका

(मुकेश सिंह)
महामंत्री

सेवा में -

सभी पदाधिकारी/कार्यकारिणी सदस्य भा.प्र.म.स.
सभी अध्यक्ष/मंत्री, सम्बद्ध यूनियनें.

Scanned by CamScanner